हिन्दुस्तानी

(त्रैमासिक शोध एवं सृजन पत्रिका)

भाग - ६८
अंक - ३

SALTOC Project
Title: Hindustānī
Imprint: Ilāhābāda : Hindustāni Ekeḍemī
OCLC: 1752083
Volume 68 number 3 (Jul-Sep 2007)
TOC Supplied by: Center for Research Libraries

जुलाई - सितम्बर
सन् - २००७

❑

सम्पादक
डॉ० एस० के० पाण्डेय

❑

सहायक सम्पादक
ज्योतिर्मयी

❑

हिन्दुस्तानी एकेडेमी
इलाहाबाद

मूल्य : ३० रुपये

वार्षिक : १२० रुपये

अनुक्रम

पृष्ठ संख्या

- संपादकीय ३
- आलेख :
  - प्राकृत और भारत की आधुनिक भाषाएँ — राजमल बोरा /५
  - भारतीय साहित्य एवं संस्कृति में पर्यावरण — डॉ० शेर सिंह बिष्ट /११
  - गिरिराज किशोर की कहानियों में युग-चेतना — प्रो० सुरेश फकिरराव कानडे /२७
  - रस-नाट्यशास्त्र और काव्यशास्त्र — आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी /३३
  - माखन लाल चतुर्वेदी के राष्ट्रीय काव्य में मानववाद — राजेश कुमार तिवारी /३६
  - परम्परा और आधुनिकता : विद्यानिवास मिश्र — राजश्री /४३
  - सहज आत्मीयता के प्रतीक : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी — श्याम विद्यार्थी /४७
  - समकालीन साहित्य में नैतिकता के बदलते प्रतिमान — दिनेश कुमार द्विवेदी /५२
  - मैत्रेयी पुष्पा के नारी पात्र — अनिल कुमार मौर्य /५७
  - समकालीन साहित्य : नारी-मुक्ति एवं नैतिकता — सुनीलकुमार /६३
  - वैदिककालीन हिन्दू संस्कारों की शैक्षिक उपादेयता — कु० अर्चना शंखधर /६८
  - आयुर्वेद की उत्पत्ति और स्वरूप — डॉ० प्रियंका सिंह /७८
  - महामना की शिक्षा दृष्टि एवं २१वीं शताब्दी में इसकी प्रासंगिकता — डॉ० रेनू सिंह /८२
  - साठोत्तरी हिन्दी नाटकों में पारिवारिक विघटन — प्रो० ए०बी० शिंगाडे /८६
  - मनुस्मृति और नारी-विमर्श — डॉ० दयाशंकर शुक्ल /९१
  - सूर-शृंगार के अनुषंग-प्रेम और सौन्दर्य — डॉ० सभापति मिश्र /९६
  - प्रयाग का महाकुम्भ : सांस्कृतिक एकता का विराट जनपर्व — डॉ० उमाशंकर शुक्ल 'उमेश' /१०२
  - आठवें एवं नवें दशक में राजस्थान का महिला सृजन (निबन्ध लेखन के संदर्भ में) — डॉ० फ़रज़ाना सुल्ताना /१०७
  - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के ललित निबन्धों का स्वरूप — डॉ० कृष्णचन्द्र गुप्त /११४
- कविताएँ :
  - राजकुमार कुम्भज की दस कविताएँ /१२०
- पुस्तक-समीक्षा :
  - 'अन्तर्ध्वनि' एक दृष्टि में — गिरिजेश श्रीवास्तव 'बन्धु' /१२४
  - संस्कृत की कालजयी कृतियाँ : हिन्दी के आइने में — डॉ० अरुण कुमार त्रिपाठी /१२६